NEWS CLIPPING: 08.01.2020

THE TRIBUNE

EDUCATION NOTES

8TH INTERNATIONAL SYMPOSIUM

Faridabad: The 8th International Symposium on Fusion of Science and Technology (ISFT-2020) being organised by the JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, in association with the Society for Fusion of Science was inaugurated today. As many as 400 delegates from India and abroad are participating in the conference, out of which, about 50 delegates are from countries like the USA, South Korea, South Africa, France, Thailand, Italy, Iran, Japan and Germany. Former chairman of the University Grants Commission Dr Ved Prakash was the chief guest and keynote speaker on the inaugural session. Director, NIT, Srinagar, Dr Rakesh Sehgal and MD and CEO of Daikin India Kanwal Jeet Jawa were present as guest of honours. Prof Naveen Kumar from Delhi Technical University and CA Santosh Kumar, trustee from SRCEM, Palwal, were also present. Dr Ved Prakash termed science and technology as an important tool in providing solutions to many problems in society. He discussed the role and concept of research-oriented universities in providing solutions to problems engulfing modern societies. Emphasising the need to popularise science at school level, he said many students left the subject of science in the middle and did not pursue it further, as they found it difficult. Director, NIT, Srinagar, Dr Rakesh Sehgal, appreciated the efforts of the university in organising the conference with such an important subject in mind. Vice-Chancellor Prof Dinesh Kumar said the university was named after the great Indian Scientist Sir Jagdish Chandra Bose, who is acknowledged as the greatest interdisciplinary scientist in India.

The Tribune Wed, 08 January 2020
https://epaper.tribuneindi

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING: 08.01.2020

PUNJAB KESARI

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को स्कूली स्तर तक लेकर जाए शोधकर्ता: डॉ. वेद प्रकाश

फरीदाबाद, 7 जनवरी (सूरजमल): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए फरीदाबाद द्वारा फ्यूजन आफ साईंस एंड टैक्नॉलोजी पर आयोजित 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी-2020) का आज उद्घाटन हुआ।उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व चेयरमैन डॉ. वेद प्रकाश मुख्य अतिथि रहे। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता डॉ. वेद प्रकाश ने समाज की प्रमुख समस्याओं के समाधान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका को अहम बताया। उन्होंने शोध विश्वविद्यालय की अवधारणा के कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा की तथा

सम्मेलन की पुस्तिका का विमोचन करते हुए अतिथिगण।

स्कूली स्तर पर विज्ञान को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बहुत से विद्यार्थी आज भी विज्ञान को कठिन विषय के रूप में देखते है और विज्ञान विषय को बीच में ही छोड़ देते है, जो चिंता का विषय हैं इसके लिए उन्होंने स्कूल शिक्षा प्रणाली में सुधार लाने की आवश्यकता पर बल दिया। इसी प्रकार डॉ. विन्सेन्जा कालब्रैव, युनिवर्सिटी आफ क्वाजुलु-नटाल, साउथ अफ्रीका से श्रीकांत बी जोनागलगड्डा तथा क्योटो युनिवर्सिटी, जापान से प्रो. हिडकी ओहगाकी ने वक्तव्य प्रस्तुत किया।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Wed, 08 January 2020
https://epaper.punjabkesari.in/c/47758342

NEWS CLIPPING: 08.01.2020

PUNJAB KESARI

IV www.punjabkesari.in | फरीदाबादकेसरी | बुधवार WEDNESDAY 8 जनवरी 2020

8वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आईएसएफटी-2020 का आगाज

■ सम्मेलन के पहले दिन दो प्लेनरी सत्र तथा पांच तकनीकी सत्र आयोजित

फरीदाबाद, 7 जनवरी (ब्यूरो): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए फरीदाबाद द्वारा फ्यूजन आफ साईंस एंड टैक्नॉलोजी पर आयोजित 8वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी-2020) का आज उद्घाटन हुआ। सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों तथा विदेशों से लगभग 400 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है। सम्मेलन के पहले दिन पांच तकनीकी सत्र, दो प्लेनरी सत्र तथा एक पोस्टर सत्र आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व चेयरमैन डॉ. वेद प्रकाश मुख्य अतिथि रहे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। सत्र में एनआईटी श्रीनगर के निदेशक डॉ राकेश सहगल, डेकेन इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ कंवलजीत जावा, श्रीराम कालेज आफ इंजीनियरिंग एवं मैनेजमेंट, पलवल के ट्रस्टी सीए संतोष कुमार तथा दिल्ली टेक्नोलॉजिकल युनिवर्सिटी से प्रो. नवीन कुमार उपस्थित थे तथा सत्र को संबोधित किया।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता डॉ. वेद प्रकाश ने समाज की प्रमुख समस्याओं के समाधान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका को अहम बताया। उन्होंने शोध विश्वविद्यालय की अवधारणा के कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा की तथा स्कूली स्तर पर विज्ञान को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बहुत से विद्यार्थी आज भी विज्ञान को कठिन विषय के रूप में देखते है और विज्ञान विषय को बीच में ही छोड़ देते है, जो चिंता का विषय हैं इसके लिए उन्होंने स्कूल शिक्षा प्रणाली में सुधार लाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि स्कूलों में विज्ञान को फिजिक्स, कैमिस्ट्री और बायोलॉजी को एक साथ पढ़ाया जाता है, जबकि ये विषय अलग-अगल पढ़ाए जाने चाहिए। उन्होंने शोधकर्ताओं तथा तकनीकीविदों से आह्वान किया कि वे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के नये अनुसंधानों को स्कूली स्तर तक लेकर जाये ताकि विज्ञान के प्रति विद्यार्थियों का रूझान बढ़े।

दीप प्रज्ज्वलित सम्मेलन का विधिवत शुभारंभ करते हुए अतिथिगण।

सत्र को संबोधित करते हुए एनआईटी श्रीनगर के निदेशक राकेश सहगल ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रहे बदलावों से औद्योगिक एवं अकादमिक के बीच अंतराल बढ़ रहा है, जिसे भरने की आवश्यकता हैं। उन्होंने प्रौद्योगिकीय बदलावों को समझने के दृष्टिगत अंतराष्ट्रीय सम्मेलनों के आयोजन को महत्वपूर्ण बताया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने अनुसंधान एवं नवाचार को समाज से जोड़ते हुए कहा कि सतत आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका महत्वूपर्ण है। उन्होंने कहा कि जे.सी. बोस विश्वविद्यालय नवाचार, अंत:विषय अनुसंधान और अंतर्राष्ट्रीयकरण को केन्द्र में रखते हुए एक अनुसंधान विश्वविद्यालय के रूप में विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का नाम महान वैज्ञानिक जगदीश चन्द्र बोस के नाम पर है, जो अपने अंत:विषय शोध के लिए जाने जाते है। डेकेन इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ कंवलजीत जावा, जो विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र रहे है, ने सत्र को संबोधित करते हुए डेकेन द्वारा हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए किये जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया। अंत में कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इससे पूर्व, टीईक्यूआईपी निदेशक डॉ. विक्रम सिंह ने सम्मेलन में प्रतिभागियों का स्वागत किया।

उद्घाटन सत्र में सम्मेलन की पुस्तिका तथा मोबाइल एप का भी विमोचन किया गया। मोबाइल एप को विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं फैकल्टी द्वारा विकसित किया गया है।

60 से ज्यादा शोध पत्र रखे गए

सम्मेलन के पांच तकनीकी सत्रों में 60 से ज्यादा शोध पत्र रखें गये तथा लगभग 25 पोस्टर प्रस्तुति दी गई। विश्वकर्मा विश्वविद्यालय के कुलपति राज नेहरू की अध्यक्षता में आयोजित पहले प्लेनरी सत्र में युनिवर्सिटी आफ फ्लोरिडा से प्रो. ऑटर काव, सायकॉम लैबोरेट्री नायजी ली ग्रैंड फ्रांस से प्रो. ओलिवर फेंकिस, बाबुल नोशिरवानी युनिवर्सिटी आफ टेक्नोलॉजी, ईरान से प्रो. घासेम नजफपुर तथा पुसान नेशनल युनिवर्सिटी, बुसान, कोरिया से प्रो. एच.सी. लिम ने आमंत्रित वक्त व्य प्रस्तुत किये। इस सत्र की सह अध्यक्षता प्रो. संदीप ग्रोवर ने की। इसी प्रकार, सीएसआईआर के राष्ट्रीय विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं विकास अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली की निदेशक प्रो. रंजना अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित दूसरे प्लेनरी सत्र में युनिवर्सिटी आफ फ्लोरिडा से प्रो. राजीव दूबे तथा प्रो. स्टीफन सुंदर राव, युनिवर्सिटी आफ कैलाब्रिया, रेंडे, इटली से डॉ. विन्सेन्जा कालब्रैव, युनिवर्सिटी आफ [।जुलु-नटाल, साउथ अफ्रीका से श्रीकांत बी जोनागलगड्डा तथा क्योटो युनिवर्सिटी, जापान से प्रो. हिडकी ओहगाकी ने वक्त व्य प्रस्तुत किया। उल्लेखनीय है कि सम्मेलन में भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों के अलावा अमेरिका, साउथ कोरिया, फ्रांस, थाईलैंड, इटली, ईरान, जापान, जर्मनी, ईरान, नाइजीरिया, साउदी अरब तथा म्यांमार से भी प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। सम्मेलन मुख्यतः अंतःविषय अनुसंधान पर केंद्रित है और मुख्य चर्चा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में फ्यूजन द्वारा भविष्य की प्रौद्योगिकी तथा नए अनुसंधान पर है।

पंजाब केसरी ई-पेपर Wed, 08 January 2020 https://epaper.punjabkesari.in/c/47758510

NEWS CLIPPING: 08.01.2020

NAVBHARAT TIMES

विज्ञान में रुचि बढ़ाने के लिए शिक्षा प्रणाली में सुधार की जरूरत

■ **एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद :** जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी में मंगलवार को फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नॉलजी विषय पर 8वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन हुआ। इसमें देश व विदेश के लगभग 400 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। 5 दिन चलने वाले इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में यूनिवर्सिटी अनुदान आयोग के पूर्व चेयरमैन डॉ. वेद प्रकाश मुख्य अतिथि थे। सत्र की अध्यक्षता यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने की। इस दौरान डॉ. वेद प्रकाश ने कहा कि समाज की प्रमुख समस्याओं के समाधान में विज्ञान व प्रौद्योगिकी की भूमिका अहम होती है। बहुत से छात्र आज भी विज्ञान को कठिन विषय के रूप में देखते हैं। विज्ञान विषय को बीच में ही छोड़ देते हैं, जो चिंता का विषय है। इसके लिए स्कूल की शिक्षा प्रणाली में सुधार की जरूरत है। एनआईटी श्रीनगर के निदेशक राकेश सहगल ने कहा कि विज्ञान व प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रहे बदलावों से औद्योगिक क्षेत्र व अकैडमी के बीच गैप बढ़ रहा है, जिसे भरने की आवश्यकता है। इस मौके पर यूनिवर्सिटी के स्टाफ व छात्रों की तरफ से बनाए गए मोबाइल ऐप को भी लॉन्च किया गया। मंगलवार को सम्मेलन में 60 से अधिक शोध पत्र व 25 पोस्टर प्रस्तुत किए गए। इस दौरान संतोष कुमार, नवीन कुमार, कुलसचिव सुनील कुमार गर्ग, डॉ. विक्रम सिंह आदि मौजूद थे।

■ वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में शुरू हुआ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, पहले दिन रखे गए 60 शोध पत्र

NEWS CLIPPING: 08.01.2020

HINDUSTAN

'स्कूली स्तर पर विज्ञान को बढ़ावा जरूरी'

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) में मंगलवार से चार दिवसीय फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नॉलोजी पर 8वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी-2020) का शुभारंभ हुआ। इसके पहले दिन पांच तकनीकी, दो प्लेनरी सत्र तथा पोस्टर सत्र का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने स्कूली स्तर पर विज्ञान को बढ़ावा देने की बात पर बल दिया। इस मौके पर सम्मेलन की पुस्तिका और मोबाइल एप का भी विमोचन किया गया।

फरीदाबाद स्थित वाईएमसीए में मंगलवार को 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व चेयरमैन डॉ.वेद प्रकाश। ● हिन्दुस्तान

इस मौके पर मुख्यअतिथि के रूप में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व चेयरमैन डॉ. वेद प्रकाश मौजूद रहे। इसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की।

पहले दिन के सत्र में एनआइटी श्रीनगर के निदेशक डॉ. राकेश सहगल, डेकेन इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ कंवलजीत जावा, श्रीराम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एवं मैनेजमेंट, पलवल के ट्रस्टी सीए संतोष कुमार और दिल्ली टेक्नोलॉजिकल विश्वविद्यालय से प्रो. नवीन कुमार ने सत्र को संबोधित किया। इस मौके पर मुख्य वक्ता डॉ. वेद प्रकाश ने समाज की प्रमुख समस्याओं के समाधान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका को अहम बताया। उन्होंने स्कूली स्तर पर विज्ञान को बढ़ावा देने को कहा। एनआईटी श्रीनगर के निदेशक राकेश सहगल ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रहे बदलावों से औद्योगिक एवं अकादमिक के बीच अंतराल बढ़ रहा है, इसे भरने की आवश्यकता है।

NEWS CLIPPING: 08.01.2020

DAINIK JAGRAN

प्रौद्योगिकी को स्कूलस्तर तक ले जाने की जरूरत : प्रो दिनेश

आइएसएफटी-2020

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) विश्वविद्यालय द्वारा फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर आठवें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आइएसएफटी-2020) का मंगलवार को शुभारंभ हुआ। सम्मेलन में विभिन्न राज्यों तथा विदेशों से लगभग 400 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है। सम्मेलन के पहले दिन पांच तकनीकी सत्र, दो प्लेनरी सत्र तथा एक पोस्टर सत्र आयोजित किया गया।

उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व चेयरमैन डॉ.वेद प्रकाश मुख्य अतिथि थे। अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। सत्र में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी(एनआइटी) श्रीनगर के निदेशक डॉ.राकेश सहगल, डेकेन इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ कंवलजीत जावा, श्रीराम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एवं मैनेजमेंट पलवल के ट्रस्टी सीए संतोष गुप्ता तथा दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी से प्रो.नवीन कुमार उपस्थित थे। मुख्य वक्ता डॉ.वेद प्रकाश ने समाज की प्रमुख समस्याओं के समाधान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका को अहम बताया। उन्होंने शोध विश्वविद्यालय की अवधारणा के कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा की तथा स्कूली स्तर पर विज्ञान को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बहुत से विद्यार्थी आज भी विज्ञान को कठिन विषय के रूप में देखते है और विज्ञान विषय को बीच में ही छोड़ देते है, जो चिंता का विषय हैं इसके लिए उन्होंने स्कूल शिक्षा प्रणाली में सुधार लाने की आवश्यकता पर बल दिया।

एनआइटी श्रीनगर के निदेशक राकेश सहगल ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रहे बदलावों से औद्योगिक एवं अकादमिक के बीच अंतराल बढ़ रहा है, जिसे भरने की आवश्यकता हैं। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने अनुसंधान एवं नवाचार को समाज से जोड़ते हुए कहा कि सतत आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण है। डेकेन इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ कंवलजीत जावा ने हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया। अंत में कुलसचिव डॉ.सुनील कुमार गर्ग ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

60 से ज्यादा शोध पत्र रखे गए: मंगलवार को सम्मेलन के पांच तकनीकी सत्रों में 60 से ज्यादा शोध पत्र रखे गए तथा लगभग 25 पोस्टर प्रस्तुति दी गई। विश्वकर्मा विश्वविद्यालय के कुलपति राज नेहरू की अध्यक्षता में आयोजित पहले प्लेनरी सत्र में यूनिवर्सिटी ऑफ फ्लोरिडा से प्रो. ऑटर काव, सायकॉम लैबोरेट्री नायजी ली ग्रैंड फ्रांस से प्रो. ओलिवर फ्रेंकिस, बाबुल नोशिरवानी युनिवर्सिटी आफ टेक्नोलॉजी, ईरान से प्रो. घासेम नजफपुर तथा पुसान नेशनल युनिवर्सिटी, बुसान, कोरिया से प्रो. एचसी. लिम ने आमंत्रित वक्तव्य प्रस्तुत किए। इस सत्र की सह अध्यक्षता प्रो. संदीप ग्रोवर ने की। इसी प्रकार, सीएसआइआर के राष्ट्रीय विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं विकास अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली की निदेशक प्रो. रंजना अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित दूसरे प्लेनरी सत्र में यूनिवर्सिटी आफ फ्लोरिडा से प्रो. राजीव दुबे तथा प्रो. स्टीफन सुंदर राव, युनिवर्सिटी आफ कैलाब्रिया, रेंडे, इटली से डॉ. विन्सेन्जा कालब्रैव ने वक्तव्य प्रस्तुत किया। सम्मेलन में भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों के अलावा अमेरिका, साउथ कोरिया, फ्रांस, थाईलैंड, इटली, ईरान, जापान, जर्मनी, ईरान, नाइजीरिया, सउदी अरब तथा म्यांमार से भी प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है।

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रोफेसर वेद प्रकाश, केजे जावा और कुलपति दिनेश कुमार दीप प्रज्वलित करते हुए, साथ में बाएं से दाएं प्रो.नवीन कुमार प्रो.हाइडआकी ओहगाकी ● जागरण

आयोजन

- जेसी बोस विश्वविद्यालय द्वारा फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलाजी पर सम्मेलन का शुभारंभ
- कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों तथा विदेशों से लगभग चार सौ प्रतिभागी ले रहे हैं हिस्सा

NEWS CLIPPING: 08.01.2020

THE PIONEER

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी स्कूली स्तर तक पहुंचे : डॉ. वेद प्रकाश

वाईएमसीए में साइंस एंड टेक्नॉलोजी सम्मेलन शुरू

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व चेयरमैन डॉ. वेद प्रकाश ने कहा कि बहुत से विद्यार्थी आज भी विज्ञान को कठिन विषय के रूप में देखते हैं और विज्ञान विषय को बीच में ही छोड़ देते हैं, जो चिंता का विषय हैं। इसके लिए उन्होंने स्कूल शिक्षा प्रणाली में सुधार लाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि स्कूलों में विज्ञान को फिजिक्स, कैमिस्ट्री और बायोलॉजी को एक साथ पढ़ाया जाता है, जबकि ये विषय अलग-अगल पढ़ाए जाने चाहिए। उन्होंने शोधकर्ताओं तथा तकनीकीविदों से आह्वान किया कि वे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के नये अनुसंधानों को स्कूली स्तर तक लेकर जाएं, ताकि विज्ञान के प्रति विद्यार्थियों का रुझान बढ़े।

वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा फ्यूजन आफ साइंस एंड टैक्नॉलोजी पर आयोजित आठवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी-2020) का उद्घाटन हुआ। सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों तथा विदेशों से लगभग 400 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। सम्मेलन के पहले दिन पांच तकनीकी सत्र, दो प्लेनरी सत्र तथा एक पोस्टर सत्र आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व चेयरमैन डॉ. वेद प्रकाश मुख्य अतिथि रहे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। सत्र में एनआईटी श्रीनगर के निदेशक डॉ. राकेश सहगल, डेकेन इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ कंवलजीत जावा, श्रीराम कालेज आफ इंजीनियरिंग एवं मैनेजमेंट, पलवल के ट्रस्टी सीए संतोष कुमार तथा दिल्ली टेक्नोलॉजिकल युनिवर्सिटी से प्रो. नवीन कुमार ने सत्र को संबोधित किया। मुख्य वक्ता डॉ. वेद प्रकाश ने समाज की प्रमुख समस्याओं के समाधान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका को अहम बताया। उन्होंने शोध विश्वविद्यालय की अवधारणा के कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा की तथा स्कूली स्तर पर विज्ञान को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया।

एनआईटी श्रीनगर के निदेशक राकेश सहगल ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रहे बदलावों से औद्योगिक एवं अकादमिक के बीच अंतराल बढ़ रहा है, जिसे भरने की आवश्यकता हैं। उन्होंने प्रौद्योगिकीय बदलावों को समझने के दृष्टिगत अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के आयोजन को महत्वपूर्ण बताया। कुपति प्रो. दिनेश कुमार ने अनुसंधान एवं नवाचार को समाज से जोड़ते हुए कहा कि सतत आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण है। जे.सी. बोस विश्वविद्यालय नवाचार, अंत:विषय अनुसंधान और अंतर्राष्ट्रीयकरण को केन्द्र में रखते हुए एक अनुसंधान विश्वविद्यालय के रूप में विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का नाम महान वैज्ञानिक जगदीश चन्द्र बोस के नाम पर है, जो अपने अंत:विषय शोध के लिए जाने जाते हैं।

NEWS CLIPPING: 08.01.2020

DAINIK TRIBUNE

8वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईएसएफटी-2020

विद्यार्थियों के बीच में साइंस विषय छोड़ने पर विशेषज्ञों ने जताई चिंता

फरीदाबाद में मंगलवार को 8वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ईएसएफटी-2020 का शुभारंभ करते यूजीसी के पूर्व चेयरमैन डा. वेदप्रकाश, साथ हैं यूनिवर्सिटी के चांसलर प्रो. डा. दिनेश कुमार। । -निस

राजेश नागर/निस
बल्लभगढ़, 7 जनवरी

बहुत से विद्यार्थी आज भी साइंस को मुश्किल सब्जेक्ट के रूप में देखते हैं और बीच में ही इसे छोड़ देते हैं, जो चिंता का विषय है। इसके लिए स्कूल शिक्षा प्रणाली में सुधार लाने की आवश्यकता है। स्कूलों में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी को एक साथ पढ़ाया जाता है, जबकि ये विषय अलग-अलग पढ़ाये जाने चाहिए। यह बात मंगलवार को जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए फरीदाबाद द्वारा फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नॉलोजी पर आयोजित 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी 2020) के उद्घाटन अवसर पर मुख्य वक्ता यूजीवी के पूर्व चेयरमैन डा.वेद प्रकाश ने कही। उन्होंने शोधकर्ताओं से आह्वान किया कि वे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के नये अनुसंधानों को स्कूली स्तर तक लेकर जाएं, ताकि विज्ञान के प्रति विद्यार्थियों का रूझान बढ़े। सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों तथा विदेशों से लगभग 400 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व चेयरमैन डॉ. वेद प्रकाश मुख्य अतिथि रहे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। सत्र में एनआईटी श्रीनगर के निदेशक डॉ राकेश सहगल, डेकेन इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ कंवलजीत जावा, श्रीराम कालेज आफ इंजीनियरिंग एवं मैनेजमेंट, पलवल के ट्रस्टी सीए संतोष कुमार तथा दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी से प्रो. नवीन कुमार उपस्थित थे।

मुख्य चर्चा प्रौद्योगिकी में फ्यूजन पर

सम्मेलन में भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों के अलावा अमेरिका, साउथ कोरिया, फ्रांस, थाईलैंड, इटली, ईरान, जापान, जर्मनी, ईरान, नाइजीरिया, साउदी अरब तथा म्यांमार से भी प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है। सम्मेलन मुख्यतः अंतःविषय अनुसंधान पर केन्द्रित है और मुख्य चर्चा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में फ्यूजन द्वारा भविष्य की प्रौद्योगिकी तथा नये अनुसंधान पर है।

epaper.dainiktribuneonline.com
दैनिक ट्रिब्यून Wed, 08 January 2020
https://epaper.dainiktribuneonline.com/

NEWS CLIPPING: 08.01.2020

PUNJAB KESARI.COM

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को स्कूली स्तर तक लेकर जाये शोधकर्ता

फरीदाबाद, राकेश देव (पंजाब केसरी): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए फरीदाबाद द्वारा फ्यूजन आफ साईंस एंड टैक्नॉलोजी पर आयोजित 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी.2020) का आज उद्घाटन हुआ। सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों तथा विदेशों से लगभग 400 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। सम्मेलन के पहले दिन पांच तकनीकी सत्र, दो प्लेनरी सत्र तथा एक पोस्टर सत्र आयोजित किया गया।उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व चेयरमैन डॉ. वेद प्रकाश मुख्य अतिथि रहे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। सत्र में एनआईटी श्रीनगर के निदेशक डॉ राकेश सहगल, डेकेन इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ केवलजीत जावा, श्रीराम कालेज आफ इंजीनियरिंग एवं मैनेजमेंट, पलवल के ट्रस्टी सीए संतोष कुमार तथा दिल्ली टेक्नोलॉजिकल युनिवर्सिटी से प्रो. नवीन कुमार उपस्थित थे तथा सत्र को संबोधित किया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता डॉ. वेद प्रकाश ने समाज की प्रमुख समस्याओं के समाधान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका को अहम बताया। उन्होंने शोध विश्वविद्यालय की अवधारणा के कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा की तथा स्कूली स्तर पर विज्ञान को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बहुत से विद्यार्थी आज भी विज्ञान को कठिन विषय के रूप में देखते हैं और विज्ञान विषय को बीच में ही छोड़ देते हैं, जो चिंता का विषय हैं इसके लिए उन्होंने स्कूल शिक्षा प्रणाली में सुधार लाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि स्कूलों

सम्मेलन के पहले दिन दो प्लेनरी सत्र तथा पांच तकनीकी सत्र आयोजित हुए, 60 से ज्यादा शोध पत्र रखे गए

में विज्ञान को फिजिक्स, कैमिस्ट्री और बायोलॉजी को एक साथ पढ़ाया जाता है, जबकि ये विषय अलग-अलग पढ़ाये जाने चाहिए। उन्होंने शोधकर्ताओं तथा तकनीकीविदें से आह्वान किया कि वे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के नये अनुसंधानों को स्कूली स्तर तक लेकर जाये ताकि विज्ञान के प्रति विद्यार्थियों का रूझान बढ़े। सत्र को संबोधित करते हुए एनआईटी श्रीनगर के निदेशक राकेश सहगल ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रहे बदलावों से औद्योगिक एवं अकादमिक के बीच अंतराल बढ़ रहा है, जिसे भरने की आवश्यकता हैं। उन्होंने प्रौद्योगिकीय बदलावों को समझने के दृष्टिगत अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के आयोजन को महत्वपूर्ण बताया।अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने अनुसंधान एवं नवाचार को समाज से जोड़ते हुए कहा कि सतत आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जे.सी. बोस विश्वविद्यालय नवाचार, अंत:विषय अनुसंधान और अंतर्राष्ट्रीयकरण को केन्द्र में रखते हुए एक अनुसंधान विश्वविद्यालय के रूप में विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का नाम महान वैज्ञानिक जगदीश चन्द्र बोस के नाम पर है, जो अपने अंत:विषय शोध के लिए जाने जाते है। उन्होंने आशा जताई कि सम्मेलन के दौरान होने वाले विचार.विमर्श जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक समस्या के समाधान तथा पर्यावरण अनुकूलित प्रौद्योगिकीय विकास को बढ़ावा देने में मददगार होंगे।आज सम्मेलन के पांच तकनीकी सत्रों में 60 से ज्यादा शोध पत्र रखें गये तथा लगभग 25 पोस्टर प्रस्तुति दी गई। विश्वकर्मा विश्वविद्यालय के कुलपति राज नेहरू की अध्यक्षता में आयोजित पहले प्लेनरी सत्र में युनिवर्सिटी आफ फ्लोरिडा से प्रो. ऑटर काव, सायकॉम लैबोरेट्री नायजी ली ग्रैंड फ्रांस से प्रो. ओलिवर फ्रेंकिस, बाबुल नोशिरवानी युनिवर्सिटी आफ टेक्नोलॉजी, ईरान से प्रो.० घासेम नजफपुर तथा पुसान नेशनल युनिवर्सिटी, बुसान, कोरिया से प्रो. एच.सी. लिम ने आमंत्रित वक्तव्य प्रस्तुत किये। इस सत्र की सह अध्यक्षता प्रो. संदीप ग्रोवर ने की।

पंजाब केसरी Wed, 08 January 2020
mpaper.punjabkesari.com/c/47762124

NEWS CLIPPING: 08.01.2020

DAINIK BHASKAR

08/01/2020 Dainik Bhaskar

8वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईएसएफटी-2020 शुरू, पहले दिन पांच तकनीकी सत्र हुए

विज्ञान व प्रौद्योगिकी को स्कूली स्तर तक लेकर जाएं शोधकर्ता: डॉ. वेदप्रकाश

पांच तकनीकी सत्रों में 60 से ज्यादा शोधपत्र रखे गए तथा 25 पोस्टर प्रस्तुति दी

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से फ्यूजन आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर आयोजित 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी-2020) का उद्घाटन मंगलवार को हुआ। इसमें विभिन्न राज्यों व विदेशों के लगभग 400 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। सम्मेलन के पहले दिन पांच तकनीकी सत्र, दो प्लेनरी सत्र तथा एक पोस्टर सत्र आयोजित किया गया।

उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व चेयरमैन डा. वेद प्रकाश मुख्य अतिथि थे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। सत्र में एनआईटी श्रीनगर के निदेशक डा. राकेश सहगल, डेकेन इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ कंवलजीत जावा, श्रीराम कालेज आफ इंजीनियरिंग एवं मैनेजमेंट पलवल के ट्रस्टी सीए संतोष कुमार तथा दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के प्रो. नवीन कुमार आदि मौजूद थे। मुख्य वक्ता डॉ. वेद प्रकाश ने समाज की प्रमुख समस्याओं के समाधान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका को अहम बताया। उन्होंने शोध विश्वविद्यालय की अवधारणा के कार्यों को लेकर चर्चा की। उन्होंने स्कूली स्तर पर विज्ञान को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया।

विद्यार्थी आज भी विज्ञान को कठिन विषय के रूप में देखते हैं

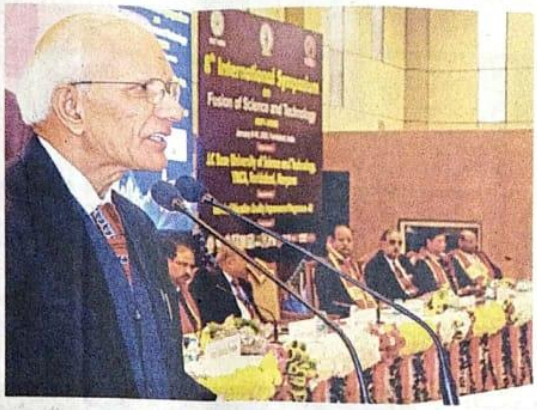

फरीदाबाद. सम्मेलन को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व चेयरमैन डा. वेद प्रकाश।

डॉ. वेद प्रकाश ने कहा बहुत से विद्यार्थी आज भी विज्ञान को कठिन विषय के रूप में देखते हैं और इसे बीच में ही छोड़ देते है, जो चिंता का विषय है। इसके लिए उन्होंने स्कूल शिक्षा प्रणाली में सुधार लाने की आवश्यकता पर बल दिया। स्कूलों में विज्ञान को फिजिक्स, केमेस्ट्री और बायोलॉजी को एक साथ पढ़ाया जाता है। जबकि ये विषय अलग-अगल पढ़ाए जाने चाहिए। उन्होंने शोधकर्ताओं तथा तकनीकी विदों से आह्वान किया कि वे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के नए अनुसंधानों को स्कूली स्तर तक लेकर जाएं।

औद्योगिक एवं अकादमिक के बीच अंतराल बढ़ रहा

एनआईटी श्रीनगर के निदेशक राकेश सहगल ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रहे बदलावों से औद्योगिक एवं अकादमिक के बीच अंतराल बढ़ रहा है, जिसे भरने की आवश्यकता हैं। उन्होंने प्रौद्योगिकीय बदलावों को समझने के दृष्टिगत अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के आयोजन को महत्वपूर्ण बताया। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने अनुसंधान एवं नवाचार को समाज से जोड़ते हुए कहा कि सतत आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने आशा जताई कि सम्मेलन के दौरान होने वाले विचार विमर्श जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक समस्या के समाधान तथा पर्यावरण अनुकूलित प्रौद्योगिकीय विकास को बढ़ावा देने में मददगार होंगे।

हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख

डेकेन इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ कंवलजीत जावा ने सत्र को संबोधित करते हुए डेकेन द्वारा हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया। अंत में कुलसचिव डा. सुनील कुमार गर्ग ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंगलवार को सम्मेलन के पांच तकनीकी सत्रों में 60 से ज्यादा शोधपत्र रखें गए तथा लगभग 25 पोस्टर प्रस्तुति दी गई। सम्मेलन में भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों के अलावा अमेरिका, साउथ कोरिया, फ्रांस, थाईलैंड, इटली, ईरान, जापान, जर्मनी, ईरान, नाइजीरिया, सऊदी अरब तथा म्यांमार से भी प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है। सम्मेलन मुख्यत अंतः विषय अनुसंधान पर केन्द्रित है और मुख्य चर्चा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में फ्यूजन द्वारा भविष्य की प्रौद्योगिकी तथा नए अनुसंधान पर है।